अजगर को पराजित करने की युद्ध निर्देशिका

फ्रैंकलीन द्वारा नोट्स

स्तीफन आर्टरबम और फ्रेड स्टोकर द्वारा लिखित every young man's battle guide नामक पुस्तिका पर आधारित ; www.waterbrookpress.com

		पृष्ठ
I.	लालसाएं अग्नि श्वासक अजगर हैं	1
II.	मन युद्ध भूमि है	2
III.	युद्ध की तैयारी	3
IV.	लैंगिक व्यभिचार से भागें	5
V.	अलग रहने की आज्ञा	6
VI.	यीशु की बात सुनें	6
VII.	जीत के लिए लड़ने की अवश्यकता है	7
VIII.	अपने विचारों को जांचें	7
IX.	कीमत के लिए कड़ी चेतावनी	8
X.	आज का चुनाव आपके कल को प्रभावित करेगा	9
XI.	अपने मित्रों का चुनाव सावधानी से करें	9
XII.	स्वयं के लिए सीमाएं निर्धारित करें	11
XIII.	परमेश्वर हमें अनुशासित करेंगे	12
XIV.	परमेश्वर आपके लिए सर्वश्रेष्ठ चाहते हैं	14
XV.	स्पष्ट विवेक बहुत मुल्यवान है	15
XVI.	आपकी देह मन्दिर है	15
XVII.	जवान स्त्रीयों के साथ आदर से पेश आएं	16
XVIII.	उसकी सीमाओं को पार करने का प्रयास न करें	16
XIX.	योद्धा के रुप में बुलाए जाना	17
XX.	आप यह युद्ध अकेले नहीं लड़ सकते	19
XXI.	अन्तिम शब्द	20

अजगर को पराजित करने की युद्ध निर्देशिका

फ्रैंकलीन द्वारा नोट्स

स्तीफन आर्टरबम और फ्रेड स्टोकर द्वारा लिखित every young man's battle guide नामक पुस्तिका पर आधारित ; www.waterbrookpress.com

I. लालसाएं अग्नि श्वासक अजगर हैं

लालसाएं आग उगलने वाले अजगर के समान हैं जिसका जब पोषण किया जाता है तो वह तेज़ी से शक्तिशाली और विशाल दैत्य के रुप में बढ़ जाता है जो आपको खा सकता या भस्म कर सकता है। इस दैत्य को भूखा रखना बहुत कठिन है जब तक कि वह इतना कमज़ोर न हो कि उसे कोठरी में बन्द न कर दिया जाए। इस दैत्य को चारा न दें अन्यथा यह आपको खा जाएगा और आपको तबाह कर देगा।

> और अजगर स्त्री पर क्रोधित हुआ, और उसकी शेष सन्तानों से जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते, और यीशु की गवाही देने पर स्थिर हैं, लड़ने को गया। प्रकाशितवाक्य 12:17

- यीशु मसीह के चेलों से वह खासतौर से नफरत करता है तथा उन्हें पराजित करने के लिए वह कुछ भी कर सकता है।

> और मैं ने उस अजगर के मुंह से, और उस पशु के मुंह से और उस झूठे भविष्यद्वक्ता के मुंह से तीन अशुद्ध आत्माओं को मेंढ़कों के रूप में निकलते देखा। (14) ये चिन्ह दिखानेवाली दुष्टात्मा हैं। प्रकाशितवाक्य 16:13

- इनमें सबसे नीच और सबसे दुष्ट ''लालसाओं की अशुद्ध आत्मा'' है।

- इस दैत्य का कभी पोषण न करना, न ही इसे उत्साहित करना या किसी क्षेत्र की अनुमति देना वरना यह आपको अन्दर बाहर से तबाह कर देगा।

यह हमारा युद्ध है – हमें इस अग्नि श्वासक अजगर को हराना है

निकट भविष्य में यीशु मसीह के द्वारा अन्तिम विजय प्राप्त कर ली जाएगी।

> और उस ने उस अजगर, अर्थात् पुराने सांप को, जो इब्लीस और शैतान है; पकड़ के हजार वर्ष के लिये बांध दिया। (3) और उसे अथाह कुंड में डालकर बन्द कर दिया और उस पर मुहर लगा दी, कि वह हजार वर्ष के पूरे होने तक जाति जाति के लोगों को फिर न भरमाए ; इस के बाद अवश्य है, कि थोड़ी देर के लिये फिर खोला जाए।। प्रकाशितवाक्य 20:2–3

परन्तु जब तक वह दिन न आए : हमें लड़ना है और लालसाओं के अजगर पर विजय पाना है जो हमारी देह रुपी मानव खोह में रहता है।

परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है। सो हे मेरे प्रिय भाइयो, दृढ़ और अटल रहो, और प्रभु के काम में सर्वदा बढ़ते जाओ, क्योंकि तुम यह जानते हो, कि तुम्हारा परिश्रम प्रभु में व्यर्थ नहीं है।। 1 कुरिन्थियों 15:57–58

विजय आपकी है यदि आप इसके लिए लड़ना चाहते हैं और पाना चाहते हैं।

क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है, कि तुम पवित्र बनोः अर्थात् व्यभिचार से बचे रहो।(4) और तुम में से हर एक पवित्रता और आदर के साथ अपने पात्र को प्राप्त करना जाने। (5) और यह काम अभिलाषा से नहीं, और न उन जातियों की नाई, जो परमेश्वर को नहीं जानती। (6) कि इस बात में कोई अपने भाई को न ठगे, और न उस पर दांव चलाए, क्योंकि प्रभु इस सब बातों का पलटा लेनेवाला है; जैसा कि हम ने पहिले तुम से कहा, और चिताया भी था।(7) क्योंकि परमेश्वर ने हमें अशुद्ध होने के लिये नहीं, परन्तु पवित्र होने के लिये बुलाया है।(8) इस कारण जो तुच्छ जानता है, वह मनुष्य को नहीं, परन्तु परमेश्वर को तुच्छ जानता है, जो अपना पवित्र आत्मा तुम्हें देता है।।1 थिस्सलुनीकियों 4:3–8

बाइबल इस विषय पर स्पष्ट है :

और जैसा पवित्र लागों के योग्य है, वैसा तुम में व्यभिचार, और किसी प्रकार अशुद्ध काम, या लोभ की चर्चा तक न हो। इफिसियों 5:3

क्योंकि भीतर से अर्थात् मनुष्य मे मन से, बुरी बुरी चिन्ता व्यभिचार। (22) चोरी, हत्या, परस्त्रीगमन, लोभ, दुष्टता, छल, लुचपन, कुदृष्टि, निन्दा, अभिमान, और मूर्खता निकलती हैं। (23) ये सब बुरी बातें भीतर ही से निकलती हैं और मनुष्य को अशुद्ध करती हैं।। मरकुस 7:21–23

II. आपका मन युद्ध भूमि है तथा अपने विचारों पर नियंत्रण आपकी जीत या पराजय को निर्धारित करेगा।

शैतान ने यीशु के मन में मानवीय इच्छाओं के विचारों को डाल कर उसकी परीक्षा ली (मत्ती 4:1–11)। यदि यीशु इन विचारों में आगे बढ़ते, तो वह पिता की अनाज्ञाकारिता करते हुए और शैतान की आज्ञा मानते हुए दुष्ट को अपने जीवन में पैर रखने का स्थान देते।

क्योंकि हमारा ऐसा महायाजक नहीं, जो हमारी निर्बलताओं में हमारे साथ दुखी न हो सके; वरन वह सब बातों में हमारी नाईं परखा तो गया, तौभी निष्पाप निकला। (16) इसलिये आओ, हम अनुग्रह के सिंहासन के निकट हियाव बान्धकर चलें, कि हम पर दया हो, और वह अनुग्रह पाएं, जो आवश्यकता के समय हमारी सहायता करे।। इब्रानियों 4:15 –16

इसी प्रकार हमारा मन – हमारे विचार, हमारी युद्ध भूमि हैं।

- शैतान हमारे मनों में वासना से भरे विचारों को डालने का हर सम्भव प्रयास करेगा।
- अश्लील साहित्य या तस्वीरें लालसाओं के इस अजगर के लिए ठोस आहार है।

2 कुरिन्थियों 10: 2–6 ... कितने हैं जो हम को शरीर के अनुसार चलनेवाले (जैसे टी.वी. या सिनेमा में दिखाई देते हैं) समझते हैं, ... (3) क्योंकि यद्यपि हम शरीर में चलते फिरते हैं, तौभी शरीर के अनुसार नहीं लड़ते।(4) क्योकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिए (जहां अजगर रहता है) परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं। (5) सो हम कल्पनाओं को, और हर एक ऊंची बात को, जो परमेश्वर की पहिचान के विरोध में उठती है, खण्डन करते हैं; और हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देते हैं।

III. युद्ध की तैयारी

इफिसियों 6:11–17 परमेश्वर के सारे हथियार बान्ध लो; कि तुम शैतान की युक्तियों के साम्हने खड़े रह सको।

- यदि आप परमेश्वर के सारे हथियार नहीं बान्धेंगे तो आप उस अजगर के विरुद्ध खड़े नहीं हो सकते। वह आप पर अपनी घातक श्वास के साथ आक्रमण कर देगा और आपके अन्दर लालसाओं को पूरी रीति से भड़का देगा।

(12) क्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध, लहू और मांस से नहीं, परन्तु प्रधानों से और अधिकारियों से, और इस संसार के अन्धकार के हाकिमों से, और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं।

(13) इसलिये परमेश्वर के सारे हथियार बान्ध लो, कि तुम बुरे दिन में साम्हना कर सको, और सब कुछ पूरा करके स्थिर रह सको।

(14) सो सत्य से अपनी कमर कसकर,

- सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा। यूहन्ना 8:32

और धार्मिकता की झिलम पहन कर।

- इसे वही पहन सकता है जो धार्मिकता का कार्य करता और धर्मी जीवन जीता है।

(15) और पांवों में मेल के सुसमाचार की तैयारी के जूते पहन कर।

- यीशु ने अपने मारे जाने, गाड़े जाने और जी उठने के द्वारा जो आपके लिए किया है उसकी गवाही देना तथा आपके व्यवहार, बोलने और चाल – चलन के द्वारा इसका ऐलान करना।

- तेरा वचन मेरे पांव के लिये दीपक, और मेरे मार्ग के लिये उजियाला है।
  भजन संहिता 119:105

(16) और उन सब के साथ विश्वास की ढाल लेकर स्थिर रहो जिस से तुम उस दुष्ट के सब जलते हुए तीरों को बुझा सको।

- आपने इस जलते हुए तीरों को बुझाना है वरना यह आपके शरीर को बेध कर लालसाओं से आपको जला देंगे।
- विश्वास की ढाल – परमेश्वर के वचन पर भरोसा करना, और उन वचनो की आज्ञा मानना है – कर्म बिना विश्वास व्यर्थ है। याकूब 2:20

(17) और उद्धार का टोप ... ले लो, जिसे अपने मन की रखवाली कर सको।

- आपको हर समय उद्धार का टोप पहने रखना है जिससे आप लालसापूर्ण और बुरे विचारों से – जो अजगर का भोजन है – अपने मनों से दूर रख कर – अपने आपकी रक्षा कर सकें।
- यीशु ने जो विजय को प्राप्त की है और आपको अपने अनुग्रह के द्वारा दी है उस पर सोच – विचार करें। आपको अपने विचार नियंत्रित करने हैं।

और आत्मा की तलवार जो परमेश्वर का वचन है।

- यह सबसे शक्तिशाली शस्त्र है। यह अजगर को मारने वाला अस्त्र है।
- हर एक लुभावने वाली लालसाओं को – यह लिखा है – के साथ प्रतिउत्तर देना। ठीक उसी प्रकार जैसे यीशु नें शैतान के द्वारा परीक्षा का प्रतिउत्तर दिया और फिर शैतान ने उन्हें अकेला छोड़ दिया। वह परमेश्वर के वचन के सामने शक्तिहीन है।
- गलातियों 2:20 को कंठस्थ कर लें और जब भी आपके मन में बुरे विचार आएं तो इसे दोहराएं और कहें कि मरा हुआ आदमी पाप नहीं करता और न ही उसमें कोई लालसा होती है। फिलिप्पियों 2:5–7 को भी कंठस्थ कर लें और यीशु ने जो आप के लिए बड़ा मूल्य चुकाया है उसे स्मरण करते हुए उसे कहें।
- अतः आपने परमेश्वर के वचन को पढ़ना, अध्ययन करना, जानना और कंठस्थ करना है ताकि आप इस तलवार का इस्तेमाल कर के लालसाओं के उस अजगर को हराने के लिए कर सकें।

(18) और हर समय और हर प्रकार से आत्मा में प्रार्थना, और विनती करते रहो, और इसी लिये जागते रहो, कि सब पवित्र लोगों के लिये लगातार विनती किया करो।

- दिन भर, हर समय आत्मा में प्रार्थना करने से आप उसकी आवाज़ सुनने के लिए अनुकूल और सतर्क रहेंगे और पवित्र आत्मा की समझ में बने रहेंगे।

  क्योंकि जो अन्यभाषा में बातें करता है; वह मनुष्यों से नहीं, परन्तु परमेश्वर से बातें करता है। 1 कुरि 14:2

- जागते और प्रार्थना करते रहो कि तुम परीक्षा में न पड़ोः आत्मा तो तैयार है, पर शरीर दुर्बल है। मरकुस 14:38

इसलिये हे भाइयों और बहनों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर विनती करता हूं, कि अपने शरीरो कों जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओः यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है। और इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नये हो जाने से तुम्हारा चाल-चलन भी बदलता जाए, जिस से तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।। रोमियों 12:1–2

यह अजगर आपके शरीर के हार्मोन को भी खाता है जिससे उसे ताकत मिलती है। विशेषकर जब सर्वप्रथम यह हार्मोन प्रवाहित होने लगता है।

यह अजगर भोजन की मांग करना और चिल्लाना आरम्भ कर देता है। यह बहुत खतरनाक और संकटपूर्ण समय है ... आपको लड़ाई लड़नी है और इस पर विजय प्राप्त करनी है अन्यथा यह अजगर अग्नि श्वासक दानव बन कर आपका बाकि जीवन आसानी से खा जाएगा।

IV. लैंगिक व्यभिचार से केवल अलग ही न हों – बल्कि भागें

व्यभिचार से भागो । अन्य सारे पाप जो मनुष्य करता है, वे देह के बाहर हैं, परन्तु व्यभिचार करनेवाला अपनी ही देह के विरूद्ध पाप करता है। क्या तुम नहीं जानते, कि तुम्हारी देह पवित्रात्मा का मन्दिर है; जो तुम में बसा हुआ है और तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है, और तुम अपने नहीं हो? क्योंकि दाम देकर मोल लिये गए हो, इसलिये अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो। 1 कुरिन्थियों 6:18–20

- यूसुफ भागा : उत्पत्ति 39:7–12

जवानी की अभिलाषाओं से भाग; और जो शुद्ध मन से प्रभु का नाम लेते हैं, उन के साथ धर्म, और विश्वास, और प्रेम, और मेल-मिलाप का पीछा कर। 2 तीमुथियुस 2:22

हम ने यह निर्णय करके लिख भेजा है कि वे ... व्यभिचार से बचे रहें। प्रेरितों के काम 21:25

यीशु ने उन को उत्तर दिया; मैं तुम से सच सच कहता हूं कि जो कोई पाप करता है, वह पाप का दास है। यूहन्ना 8:34–35

लालसाएं आपको जंजीरों में जकड़ देंगी, आपकों बन्दी बना लेगी, आप पर नियंत्रण करके आपके जीवन को तबाह कर देगी।

V. हमें अलग रहने की आज्ञा है :

वे ... व्यभिचार ... से परे रहें। प्रेरितों के काम 15:20

कि तुम ...व्यभिचार से परे रहो। प्रेरितों के काम 15:29

ऐसा न हो, कि कोई जन व्यभिचारी ... हो। इब्रानियों 12:16

हे प्रियों मैं तुम से विनती करता हूं, कि तुम अपने आप को परदेशी और यात्री जानकर उस सांसारिक अभिलाषाओं से जो आत्मा से युद्ध करती हैं, बचे रहो। 1 पतरस 2:11

बाइबल लैंगिक व्यभिचार के खतरों और उसकी विनाशकारी हानियों के विषयों में स्पष्ट है।

VI. यीशु लालसाओं के विषय में जो कहतें हैं उसे सुनें

परन्तु मैं तुम से यह कहता हूं, कि जो कोई किसी स्त्री पर कुदृष्टि डाले (विवाह से बाहर भी, क्योंकि यौन क्रिया वाचा बनाने वाली क्रिया है) वह अपने मन में उस से व्यभिचार कर चुका। (29) यदि तेरी दहिनी आंख तुझे ठोकर खिलाए, तो उसे निकालकर अपने पास से फेंक दे; क्योंकि तेरे लिये यही भला है कि तेरे अंगों में से एक नाश हो जाए और तेरा सारा शरीर नरक में न डाला जाए। मत्ती 5:28–30

- यीशु यौन व्यभिचार की अति गंभीर स्थिति को व्यक्त कर रहे हैं।
- लालसाओं का आरम्भ तब होता है जब आप जो देखते और सुनते है उनके विचार और चित्र आपके मन में बन जाते है ... अजगर को भोजन देना।
- अशलील चित्र और साहित्य विवाह से पहले के सम्बन्ध तथा विवाह में बहुत हानि पहुंचा देगा और आपको नाश कर देगा।

ऐसी ही बातें कह कहकर, उस ने(अजगर ने) उसको अपनी प्रबल माया में फंसा लिया; और अपनी चिकनी चुपड़ी बातों से उसको अपने वश में कर लिया। वह तुरन्त उसके पीछे हो लिया, और बैल कसाई-खाने को, या जैसे बेड़ी पहिने हुए कोई मूढ़ ताड़ना पाने को जाता है। अन्त में उस जवान का कलेजा तीर से बेधा जाएगा; वह उस चिड़िया के समान है जो फन्दे की ओर वेग से उड़े और न जानती हो कि उस में मेरे प्राण जाएंगे।। अब हे मेरे पुत्रों, मेरी सुनो, और मेरी बातों पर मन लगाओ। तेरा मन ऐसी स्त्री के मार्ग की ओर (लालसा पूर्ण) न फिरे, और उसकी डगरों में भूल कर न जाना; क्योंकि बहुत लोग उस के मारे पड़े हैं; उसके घात किए हुओं की एक बड़ी संख्या होगी। नीतिवचन 7:21–26

क्या जाने परमेश्वर उन्हें मन फिराव का मन दे, कि वे भी सत्य को पहिचानें। और इस के द्वारा उस की इच्छा पूरी करने के लिये सचेत होकर शैतान के फंदे से छूट जाए।। 2 तीमुथियुस 2:25–26

VII. जीत दुबारा प्राप्त करने के लिए या जीत में बने रहने के लिए लड़ने की अवश्यकता है।

अजगर मारक/क्रूस का सिपाही होने के नाते, प्रति दिन अपना क्रूस उठाए हुए मेरे पीछे हो ले। (लूका 9:23)

इसका क्या अर्थ है? आप किस प्रकार अपना क्रूस उठा सकते हैं?

ऐसे ही तुम भी अपने आप को पाप के लिये तो मरा, परन्तु परमेश्वर के लिये मसीह यीशु में जीवित समझो (बना दो)। इसलिये पाप तुम्हारे मरनहार शरीर में राज्य न करे, कि तुम उस की लालसाओं के अधीन रहो। और न अपने अंगो को अधर्म के हथियार होने के लिये पाप को सौंपो, पर अपने आप को मरे हुओं में से जी उठा हुआ जानकर परमेश्वर को सौंपो, और अपने अंगो को धर्म के हथियार होने के लिये परमेश्वर को सौंपो। रोमियों 6:11–13

क्योंकि यद्यपि हम शरीर में चलते फिरते हैं, तौभी शरीर के अनुसार नहीं लड़ते। (4) क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ध्वस्त करने के लिए ईश्वरीय सामर्थ से परिपूर्ण है। (5) सो हम कल्पनाओं को, और हर एक ऊंची बात को, जो परमेश्वर की पहिचान के विरोध में उठती है, खण्डन करते हैं; और हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देते हैं। 2 कुरिन्थियों 10:3–5

VIII. निरंतर अपने विचारों को जांचें और ...

जवानी की अभिलाषाओं से भाग; और जो शुद्ध मन से प्रभु का नाम लेते हैं, उन के साथ धर्म, और विश्वास, और प्रेम, और मेल-मिलाप का पीछा कर। 2 तीमुथियुस 2:22

अपने प्रेम को वासना में बदलने न दें, जिससे आप व्यभिचार, अशुद्ध काम, या लोभ में गिर जाएं। इफिसियों 5:3 ।। संदेश

यहोवा की सारी आज्ञाओं को स्मरण रखो; और उनका पालन करो, जिससे व्यभिचार वाली कोई भी बात जिसे तुम महसूस करते या देखते हो तुम्हें भटकाने न पाए। गिनती 15:39–40 ।। संदेश

क्योंकि शरीरिक व्यक्ति शरीर की बातों पर मन लगाते हैं; परन्तु आध्यात्मिक आत्मा की बातों पर मन लगाते हैं। रोमियों 8:5

इसलिये पाप तुम्हारे मरनहार शरीर में राज्य न करे, कि तुम उस की लालसाओं के अधीन रहो। रोमियों 6:12

IX. लालसाओं की कीमत के लिए कड़ी चेतावनी

(20) हे मेरे पुत्र, मेरी आज्ञा को मान, और अपनी माता की शिक्षा का न तज। (21) इन को अपने हृदय में सदा गांठ बान्धे रख; और अपने गले का हार बना ले। (22) वह तेरे चलने में तेरी अगुवाई, और सोते समय तेरी रक्षा, और जागते समय तुझ से बातें करेगी। (23) आज्ञा तो दीपक है और शिक्षा ज्योति, और सिखानेवाले की डांट जीवन का मार्ग है, (24) ताकि तुझ को बुरी स्त्री से बचाए और पराई स्त्री की चिकनी चुपड़ी बातों से बचाए। (25) उसकी सुन्दरता देखकर अपने मन में उसकी अभिलाषा न कर; वह तुझे अपने कटाक्ष से फंसाने न पाए; (26) क्योंकि वेश्यागमन के कारण मनुष्य टुकड़ों का भिखारी हो जाता है, परन्तु व्यभिचारिणी अनमोल जीवन का अहेर कर लेती है। (27) क्या हो सकता है कि कोई अपनी छाती पर आग रख ले; और उसके कपड़े न जलें? नीतिवचन 6 और संदेश

क्योंकि परमेश्वर ने हमें अशुद्ध होने के लिये नहीं, परन्तु पवित्र होने के लिये बुलाया है। इस कारण जो इसे अस्वीकार करता है, वह मनुष्य को नहीं परन्तु परमेश्वर को अस्वीकार करता है, जो अपना पवित्र आत्मा तुम्हें देता है।। 1 थिस्सलुनीकियों 4:7–8

परन्तु जो परस्त्रीगमन करता है वह निरा मूर्ख है; जो अपने प्राणों को नाश करना चाहता है, वह ऐसा करता है।। उसको घायल और अपमानित होना पड़ेगा, और उसका कलंक कभी न मिटेगा। नीतिवचन 6:32–33

(व्यभिचार शब्द का अर्थ है ''वाचा को तोड़ना''। यौन क्रिया वाचा बनाने की क्रिया है, अतः व्यभिचार शब्द का अर्थ विवाह के बाहर यौन क्रिया को बताता है।)

X. आज का चुनाव आपके कल को प्रभावित करेगा

यदि आप अपना हाथ आग पर रखें तो आप तीव्र पीड़ा महसूस करेंगे। यह सब जानते हैं और चौकस रहतें हैं कि अपने को जला न लें। हालांकि, पाप की भिन्न समय सूची है, और इसके परिणाम एकदम से प्रकट नहीं होते – परन्तु यह निश्चित है, कि वह प्रकट होंगे।

- मूसा ने सही चुनाव किया: उसे पाप में थोड़े दिन के सुख भोगने से परमेश्वर के लोगों के साथ दुख भोगना और उत्तम लगा। इब्रानियों 11:25

  ध्यान दें : पाप के सुख थोड़े हैं

  आपको भी सही चुनाव करना है, यदि नहीं :

- मैने मूर्ख को थोड़े समय के लिए सफल होते देखा, परन्तु फिर अचानक उस पर विनाश आ गया। अय्यूब 5:3
- जान रखो कि तुम को तुम्हारा पाप लगेगा। गिनतियों 32:23 ।। यह कंठस्थ करने और आप को बार–बार स्मरण दिलाने के लिए अच्छा पद है।

धोखा न खाओ, परमेश्वर ठट्ठों में नहीं उड़ाया जाता, क्योंकि मनुष्य जो कुछ बोता है, वही काटेगा। (8) क्योंकि जो अपने शरीर के लिये बोता है, वह शरीर के द्वारा विनाश की कटनी काटेगा; और जो आत्मा के लिये बोता है, वह आत्मा के द्वारा अनन्त जीवन की कटनी काटेगा।(9) हम भले काम करने में हियाव न छोड़े, क्योंकि यदि हम ढीले न हों, तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे। गलातियों 6:710

आप भ्रमित न हों : कोई परमेश्वर का ठट्ठा नहीं कर सकता। जैसा व्यक्ति बोता है, वैसा ही काटेगा। गलातियों 6:7

XI. इसलिए : अपने मित्रों का चुनाव सावधानी से करें

वे सुन्न होकर, लुचपन में लग गए हैं, कि सब प्रकार के गन्दे काम लालसा से किया करें। इफिसियों 4:19 ।।

वे व्यर्थ घमण्ड की बातें कर करके लुचपन के कामों के द्वारा (टी. वी., फिल्में, अशलील चित्र या लेखों से ऐसा होता है), उन लोगों को शारीरिक अभिलाषाओं में फंसा लेते हैं, जो भटके हुओं में से अभी निकल ही रहे हैं। 2 पतरस 2:18

क्योंकि कुचिन्ता, हत्या, परस्त्रीगमन, व्यभिचार, चोरी, झूठी गवाही और निन्दा मन ही से निकलती है। (20) यही हैं जो मनुष्य को अशुद्ध करती हैं। मत्ती 15:19–20

मेरा कहना यह है; कि यदि कोई भाई कहलाकर, व्यभिचारी, या लोभी, या मूर्त्तिपूजक, या गाली देनेवाला, या पियक्कड़, या अन्धेर करनेवाला हो, तो उस की संगति मत करना; वरन ऐसे मनुष्य के साथ खाना भी न खाना। 1 कुरिन्थियों 5:11

जवानी की अभिलाषाओं से भाग; और जो शुद्ध मन से प्रभु का नाम लेते हैं उनके निकट रह। उन के साथ धर्म, और विश्वास, और प्रेम, और मेल-मिलाप का पीछा कर। 2 तीमुथियुस 2:22

और न हम व्यभिचार करें; जैसा उन में से कितनों ने कियाः एक दिन में तेईस हजार मर गये। 1 कुरिन्थियों 10:8 ।।

* वे गलत अगुवों के पीछे चल रहे थे।

* भीड़ के पीछे न चलें।

अविश्वासियों के साथ असमान जूए में न जुतो, क्योंकि धार्मिकता और अधर्म का क्या मेल जोल ? या ज्योति और अन्धकार की क्या संगति ? (15) और मसीह का बलियाल के साथ क्या लगाव ?या विश्वासी के साथ अविश्वासी का क्या नाता ? (16) और मूरतों के साथ परमेश्वर के मन्दिर का क्या सम्बन्ध ? क्योंकि हम तो जीवते परमेश्वर का मन्दिर हैं; जैसा परमेश्वर ने कहा है कि मैं उन में बसूंगा और उन में चला फिरा करूंगा; और मैं उन का परमेश्वर हूंगा, और वे मेरे लोग होंगे।(17) इसलिये प्रभु कहता है, कि उन के बीच में से निकलो और अलग रहो; और अशुद्ध वस्तु को मत छूओ, तो मैं तुम्हें ग्रहण करूंगा।(18) और तुम्हारा पिता हूंगा, और तुम मेरे बेटे और बेटियां होगेः यह सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर का वचन है।। 2 कुरिन्थियों 6:14–18

क्योंकि जो कुछ संसार में है, अर्थात् शरीर की अभिलाषा, और आंखों की अभिलाषा और जीविका का घमण्ड, वह पिता की ओर से नहीं, परन्तु संसार ही की ओर से है। 1 यूहन्ना 2:16

हे प्रियों, अभी हम परमेश्वर की सन्तान हैं ... हम इतना जानते हैं, कि जब वह प्रगट होगा तो हम भी उसके समान होंगे ... (3) और जो कोई उस पर यह आशा रखता है, वह अपने आप को वैसा ही पवित्र करता है, जैसा वह पवित्र है। 1 यूहन्ना 3:2–3

XII. स्वयं के लिए सीमाएं निर्धारित करें

पहाड़ की चोटी पर चढ़ते समय एक पर्वतारोही इस बात को निश्चित कर लेता है कि उसकी रस्सी चट्टान पर अच्छे से बन्धी है अन्यथा वह गिर जाएगा और स्वयं को बुरी तरह से घायल कर देगा। अतः हमें यह निर्णय लेना चाहिए कि हम बचने के लिए अपने आप को अपनी चट्टान से बांध लें (भजन संहिता 89:26) वरना जब हम परिक्षाओं के अजगरों से भरी घाटियों की ख़तरनाक गड्ढों और ऊंची चढ़ाईयों पर चढ़ते हैं, हम गिर जाएंगे और अपने आपको बुरी तरह से घायल कर देंगे।

जिस प्रकार शत्रु ने यीशु की परीक्षा ली, उसी प्रकार वह अपनी भ्रष्ट तर्कों से आपकी परीक्षा लेगा :

1. ऐसा करना ठीक है क्योंकि आप सचमुच में उससे प्यार करते हैं। जैसे भी है आखिर आप उससे शादी करने वाले हैं।
2. विवाह तक क्यों रुकें? हम तो दिलों में पहले से ही विवाहित हो चुके हैं।
3. विवाह तो केवल कागज़ का टुकड़ा है। और इसी प्रकार और भी अटकलबाजीयां और तर्क जिससे उनके विवेक साफ करने का प्रयास हो सके और उनकी दलीलें सही ठहराई जाएं।

नहीं! बाइबल हमें यह सिखाती है कि विवाह वचनबद्धता की वाचा है जिसमें एक दूसरे के प्रति विश्वासयोग्यता की प्रतिज्ञाएं हैं और जो दो को एक बनाने वाली विवाह की क्रिया में पूरी होती है जो लहू की वाचा है। परमेश्वर की दृष्टि में यह बहुत, बहुत पवित्र है और हमारे लिए भी ऐसा ही होना चाहिए।

रेत पर लकीर खींचें! अजगर के क्षेत्र में कदम न रखें। दृढ़ निर्णय लें और उस पर बने रहें।

विश्वास की अच्छी कुश्ती लड़; और उस अनन्त जीवन को धर ले, जिस के लिये तू बुलाया, गया, और बहुत गवाहों के साम्हने अच्छा अंगीकार किया था। (13) मै सब के जीवनदाता परमेश्वर और मसीह यीशु की उपस्थिति में ... तुझको यह दृढ़ आज्ञा देता हूं (14) कि तू हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रगट होने तक इस आज्ञा को निष्कलंक और निर्दोष रख। 1 तीमुथियुस 6:12–15

और यदि यहोवा की सेवा करनी तुम्हें बुरी लगे, तो आज चुन लो कि तुम किस की सेवा करोगे, चाहे उन देवताओं की जिनकी सेवा तुम्हारे पुरखा महानद के उस पार करते थे, और चाहे एमोरियों के देवताओं की सेवा करो जिनके देश में तुम रहते हो; परन्तु मैं तो अपने घराने समेत यहोवा की सेवा नित करूंगा।(16) तब लोगों ने उत्तर दिया, यहोवा को त्यागकर दूसरे देवताओं की सेवा करनी हम से दूर रहे; यहोशु 24:15–16

मुझे एक मनुष्य यिशै का पुत्र दाऊद, मेरे मन के अनुसार मिल गया है। वही मेरे सारी इच्छा पूरी करेगा। प्रेरितों के काम 13:22–23

अपने व्यभिचार का बड़ा मुल्य चुकाने के पश्चात दाऊद ने दृढ़ निश्चय लेते हुए रेत पर लकीर खींची और सीमाएं स्थापित की जिससे वह दुबारा कभी लांघ न पाए। यह है वो जो दाऊद ने कहा और किया :

क्या ही धन्य हैं वे जो चाल के खरे हैं, और यहोवा की व्यवस्था पर चलते हैं। (2) क्या ही धन्य हैं वे जो उसकी चितौनियों को मानते हैं, और पूर्ण मन से उसके पास आते हैं। (3) फिर वे कुटिलता का काम नहीं करते, वे उसके मार्गो में चलते हैं। भजन संहिता 119:1–3

मैं ने सच्चाई का मार्ग चुन लिया है, तेरे नियमों की ओर मैं चित्त लगाए रहता हूं। भजन संहिता 119:30

मैं ने अपनी चालचलन को सोचा, और तेरी चितौनियों का मार्ग लिया। भजन संहिता 119:59

जितने तेरा भय मानते और तेरे उपदेशों पर चलते हैं, उनका मैं संगी हूं। भजन संहिता 119:63

मैं ने अपने पांवों को हर एक बुरे रास्ते से रोक रखा है, जिस से मैं तेरे वचन के अनुसार चलूं। भजन संहिता 119:101

हे कुकर्मियों, मुझ से दूर हो जाओ, कि मैं अपने परमेश्वर की आज्ञाओं को पकड़े रहूं। भजन संहिता 119:115

मैं बुद्धिमानी से खरे मार्ग में चलूंगा। तू मेरे पास कब आएगा। मैं अपने घर में मन की खराई के साथ अपनी चाल चलूंगा; मैं किसी आछे काम पर चित्त न लगाऊंगा।। मैं कुमार्ग पर चलनेवालों के काम से घिन रखता हूं; ऐसे काम में मैं न लगूंगा। टेढ़ा स्वभाव मुझ से दूर रहेगा; मैं बुराई को जानूंगा भी नहीं।। भजन संहिता 101:2–4

XIII. परमेश्वर हमें अनुशासित करेंगे

इब्रानियों 12:5–8, 9–11 और तुम उस उपदेश को जो तुम को पुत्रों की नाई दिया जाता है, भूल गए हो, कि हे मेरे पुत्र, प्रभु की ताड़ना को हलकी बात न जान, और जब वह तुझे घुड़के तो हियाव न छोड़।(6) क्योंकि प्रभु, जिस से प्रेम करता है, उस की ताड़ना भी करता है; और जिसे पुत्र बना लेता है, उस को कोड़े भी लगाता है।(7) तुम दुख को ताड़ना समझकर सह लोः परमेश्वर तुम्हें पुत्र जानकर तुम्हारे साथ बर्ताव करता है, वह कौन सा पुत्र है, जिस की ताड़ना पिता नहीं करता? (9) फिर जब कि हमारे शारीरिक पिता भी हमारी ताड़ना किया करते थे, तो क्या आत्माओं के पिता के और भी आधीन न रहें जिस से जीवित रहें।(10) वे तो अपनी अपनी समझ के अनुसार थोड़े दिनों के लिये ताड़ना करते थे, पर यह तो हमारे लाभ के लिये करता है, कि हम भी उस की पवित्रता के भागी हो जाएं।(11) और वर्तमान में हर प्रकार की ताड़ना आनन्द की नहीं, पर शोक ही की बात दिखाई पड़ती है, तौभी जो उस को सहते सहते पक्के हो गए हैं, पीछे उन्हें चैन के साथ धर्म का प्रतिफल मिलता है।

मैने अपने मन में कहा, ''परमेश्वर धर्मी और दुष्ट दोनो का न्याय करेगा'' क्योंकि प्रत्येक बात और प्रत्येक काम का एक समय है।सभोपदेशक 3:17

... मुझे बहुतों के लिये फिर शोक करना पड़े, जिन्हों ने पहिले पाप किया था, और उस गन्दे काम, और व्यभिचार, और लुचपन से, जो उन्हों ने किया, मन नहीं फिराया।। 2 कुरिन्थियों 12:21

फूलकर अहंकार की ओर बातें मत करो, और अन्धेर की बातें तुम्हारे मुंह से न निकलें; क्योंकि यहोवा ज्ञानी ईश्वर है, और कामों को तौलनेवाला है।। 1 शमूएल 2:3

क्योंकि तुम यह जानते हो, कि किसी व्यभिचारी, या अशुद्ध जन, या लोभी मनुष्य की, जो मूरत पूजनेवाले के बराबर है, मसीह और परमेश्वर के राज्य में मीरास नहीं। इफिसियों 5:5

शरीर के काम तो प्रगट हैं, अर्थात् व्यभिचार, गन्दे काम, लुचपन।(20) मूर्त्ति पूजा, टोना, बैर, झगड़ा, ईर्ष्या, क्रोध, विरोध, फूट, विधर्म।(21) डाह, मतवालापन, लीलाक्रीड़ा, और इन के ऐसे और और काम हैं, इन के विषय में मैं तुम को पहिले से कह देता हूं जैसा पहिले कह भी चुका हूं, कि ऐसे ऐसे काम करनेवाले परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे। गलातियों 5:19–21

इसलिये अपने उन अंगो को मार डालो, जो पृथ्वी पर हैं, अर्थात् व्यभिचार, अशुद्धता, दुष्कामना, बुरी लालसा और लोभ को जो मूर्ति पूजा के बराबर है।(6) इन ही के कारण परमेश्वर का प्रकोप आज्ञा न माननेवालों पर पड़ता है।(7) और तुम भी, जब इन बुराइयों में जीवन बिताते थे, तो इन्हीं के अनुसार चलते थे।(8) पर अब तुम भी इन सब को अर्थात् क्रोध, रोष, बैरभाव, निन्दा, और मुंह से गालियां बकना ये सब बातें छोड़ दो।(9) एक दूसरे से झूठ मत बोलो क्योंकि तुम ने पुराने मनुष्यत्व को उसके कामों समेत उतार डाला है।(10) और नए मनुष्यत्व को पहिन लिया है जो अपने सृजनहार के स्वरूप के अनुसार ज्ञान प्राप्त करने के लिये नया बनता जाता है। कुलुस्सियों 3:5–11

क्या तुम नहीं जानते, कि अन्यायी लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे ? धोखा न खाओ, न वेश्यागामी, न मूर्त्तिपूजक, न परस्त्रीगामी, न लुच्चे, न पुरूषगामी। (10) न चोर, न लोभी, न पियक्कड., न गाली देनेवाले, न अन्धेर करनेवाले परमेश्वर के राज्य के वारिस होंगे। 1 कुरिन्थियों 6:9–10

XIV. परमेश्वर आपके लिए सर्वश्रेष्ठ चाहते हैं

परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा।(9) सो जब कि हम, अब उसके लहू के कारण धर्मी ठहरे, तो उसके द्वारा क्रोध से क्यों न बचेंगे ? (10) क्योंकि बैरी होने की दशा में तो उसके पुत्र की मृत्यु के द्वारा हमारा मेल परमेश्वर के साथ हुआ फिर मेल हो जाने पर उसके जीवन के कारण हम उद्धार क्यों न पाएंगे ? रोमियों 5:8–11

हे इस्राएल तेरा रचनेवाला और हे याकूब तेरा सृजनहार यहोवा अब यों कहता है, मत डर, क्योंकि मैं ने तुझे छुड़ा लिया है; मैं ने तुझे नाम लेकर बुलाया है, तू मेरा ही है।(2) जब तू जल में होकर जाए, मैं तेरे संग संग रहूंगा और जब तू नदियों में होकर चले, तब वे तुझे न डुबा सकेंगी; जब तू आग में चले तब तुझे आंच न लगेगी, और उसकी लौ तुझे न जला सकेगी।(3) क्योंकि मैं यहोवा तेरा परमेश्वर हूं, इस्राएल का पवित्र मैं तेरा उद्धारकर्ता हूं। यशायाह 43:1–3

हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, कि उस ने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आशीष दी है।(4) जैसा उस ने हमें जगत की उत्पति से पहिले उस में चुन लिया, कि हम उसके निकट प्रेम में पवित्र और निर्दोष हों।(5) और अपनी इच्छा की सुमति के अनुसार हमें अपने लिये पहिले से ठहराया, कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके लेपालक पुत्र हो।इफिसियों 1:3–6

और आज्ञाकारी बालकों की नाईं अपनी अज्ञानता के समय की पुरानी अभिलाषाओं के सदृश न बनो।(15) पर जैसा तुम्हारा बुलानेवाला पवित्र है, वैसे ही तुम भी अपने सारे चाल चलन में पवित्र बनो।(16) क्योंकि लिखा है, कि पवित्र बनो, क्योंकि मैं पवित्र हूं। 1 पतरस 1:14–16

जो कल्पनाएं मैं तुम्हारे विषय करता हूँ उन्हें मैं जानता हूँ, वे हानि की नहीं, वरन कुशल ही की हैं, और अन्त में तुम्हारी आशा पूरी करूंगा। यर्मयाह 29:11

यदि तुम मुझ से प्रेम रखते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे। यूहन्ना 14:15 संदेश

जो परमेश्वर पर भरोसा करते हैं और उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं तथा अपने जीवन उसकी योजनाओं का पालन करते हैं, उनके लिए परमेश्वर सबसे श्रेष्ठ देते हैं।

इन में हम भी सब के सब पहिले अपने शरीर की लालसाओं में दिन बिताते थे, और शरीर, और मन की मनसाएं पूरी करते थे, और और लोगों के समान स्वभाव ही से क्रोध की सन्तान थे।(4) परन्तु परमेश्वर ने जो दया का धनी है; अपने उस बड़े प्रेम के कारण, जिस से उस ने हम से प्रेम किया।(5) जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे, तो हमें मसीह के साथ जिलाया; (अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है।) इफिसियों 2:3–5 संदेश

इसलिये अपने उन अंगो को मार डालो, जो पृथ्वी पर हैं। व्यभिचार, अशुद्धता, दुष्कामना, बुरी लालसा और लोभ के साथ कोई सम्बन्ध न रखें। (7) और तुम भी, जब इन बुराइयों में जीवन बिताते थे, तो इन्हीं के अनुसार चलते थे। (8) पर अब तुम भी ... सब बातें छोड़ दो। कुलुस्सियों 3:5–5, 7–8

XV. सच्चा विवेक बहुत मुल्यवान है

मैं अपनी धार्मिकता पर बना हूं, और उस से न डिगूंगा। मेरा मन जीवन भर मुझे दोषी नहीं ठहराएगा। अय्यूब 27:6

पौलुस ने महासभा की ओर टकटकी लगाकर देखा, और कहा, हे भाइयों, मैं ने आज तक परमेश्वर के लिये बिलकुल सच्चे विवेक से जीवन बिताया। प्रेरितों के काम 23:1

और विश्वास और उस अच्छे विवेक को थामें रहे जिसे दूर करने के कारण कितनों का विश्वास रूपी जहाज डूब गया। 1 तीमुथियुस 1:19

शुद्ध लोगों के लिये सब वस्तु शुद्ध हैं, पर अशुद्ध और अविश्वासियों के लिये कुछ भी शुद्ध नहीं: बरन उन की बुद्धि और विवेक दोनों अशुद्ध हैं। तीतुस 1:15

XVI. आपकी देह मन्दिर है

क्या तुम नहीं जानते, कि तुम परमेश्वर का मन्दिर हो, और परमेश्वर का आत्मा तुम में वास करता है? 1 कुरिन्थियों 3:16

क्या तुम नहीं जानते, कि तुम्हारी देह मसीह के अंग हैं?सो क्या मैं मसीह के अंग लेकर उन्हें वेश्या के अंग बनाऊं?कदापि नहीं। (16) क्या तुम नहीं जानते, कि जो कोई वेश्या से संगति करता है, वह उसके साथ एक तन हो जाता है क्योंकि वह कहता है, कि वे दोनों एक तन होंगे। (17) और जो प्रभु की संगति में रहता है, वह उसके साथ एक आत्मा हो जाता है। (18) व्यभिचार से बचे रहो। 1 कुरिन्थियों 6: 15–18।।

क्या तुम नहीं जानते, कि तुम्हारी देह पवित्रात्मा का मन्दिर है; जो तुम में बसा हुआ है और तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है, और तुम अपने नहीं हो? (20) क्योंकि दाम देकर मोल लिये गए हो, इसलिये अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो।। 1 कुरिन्थियों 6: 19–20

यौन शरीर पर शरीर से बढ़कर है। यौन जितनी शरीरिक वास्तविकता है उतनी आत्मिक रहस्य भी है। जैसे पवित्र शास्त्र में लिखा है, "दोनो एक तन होंगे"। (17) चूंकि हम अपने स्वामी के साथ आत्मिकता में एक हो जाना चाहते हैं, "हमें इस प्रकार के सेक्स के पीछे नहीं जाना चाहिए जो वचनबद्धता और घनिष्ठता से बचता हो, और हमें पहले से भी ज़्यादा अकेला छोड़ दे – इस प्रकार का सेक्स कभी "एक नहीं बना सकता"– (18) एक ऐसा भाव है जिसमें यौन पाप बाकि सभी पापों से भिन्न हैं। यौन पाप या व्यभिचार में हम अपनी देह की पवित्रता को भंग करते हैं। यह देह जो परमेश्वर द्वारा दिए गए और परमेश्वर द्वारा तैयार प्रेम के लिए बनाई गई है, ताकि एक दूसरे के साथ "एक हो जाएं"। (19) अर्थात क्या तुम्हें इस बात का एहसास नहीं है कि आपकी देह पवित्र स्थान है, पवित्र आत्मा का निवास स्थान? क्या आप देख नहीं सकते कि आप अपनी इच्छानुसार जीवन नहीं बिता सकते कि परमेश्वर के द्वारा दिए गए बड़े दाम को व्यर्थ उड़ा दें?

1 कुरिन्थियों 6:16–19 संदेश

XVII. जवान स्त्रीयों के साथ आदर से पेश आएं जिसके वो योग्य हैं

हम ने प्रेम इसी से जाना, कि उस ने हमारे लिए अपने प्राण दे दिए ; और हमें भी भाइयों और बहनों के लिये प्राण देना चाहिए। 1 यूहन्ना 3:16

और उस से हमें यह आज्ञा मिली है, कि जो कोई अपने परमेश्वर से प्रेम रखता है, वह अपने भाई और बहन से भी प्रेम रखे।। 1 यूहन्ना 4:21

सब का आदर करो, भाइयों और बहनों से प्रेम रखो, परमेश्वर से डरो, राजा का सम्मान करो।। 1 पतरस 2:17

सो जब कि तुम ने भाईचारे की निष्कपट प्रीति के निमित्त सत्य के मानने से अपने मनों को पवित्र किया है, तो तन मन लगाकर एक दूसरे से अधिक प्रेम रखो। 1 पतरस 1:22

XVIII. उसकी सीमाओं को पार करने का प्रयास न करें

यदि (आपकी प्रेमिका) उदास है क्योंकि (आप ने उसे कुछ कामुक कार्य करने के लिए कहा है) , तो आप प्रेम की रीति से नहीं चल रहे हैं। आप अपनी कामुकता से अपनी प्रेमिका को नाश न करें जिसके लिए मसीह ने अपने प्राण दिए... (17) क्योंकि परमेश्वर का राज्य (छेड़–छाड़, सहलाना और सीमा के पार धकेलना) नहीं; परन्तु धर्म और मिलाप और वह आनन्द है; जो पवित्रआत्मा से होता है (18) क्योंकि जो कोई इस रीति से मसीह की सेवा करता है, वह परमेश्वर को भाता है और मनुष्यों में ग्रहणयोग्य ठहरता है।

(19) इसलिये हम उन बातों का प्रयत्न करें जिनसे मेल मिलाप और एक दूसरे का सुधार हो (मसीह में एकता)। (20) (अपनी वासना) के लिये परमेश्वर का काम न बिगाड़ें ... यह उस मनुष्य के लिये बुरा है, जिस को उससे ठोकर लगती है। रोमियों 14:15; 17–20

... और जवान स्त्रियों को पूरी पवित्रता से बहन जान ...

1 तीमुथियुस 5:1–2

अपनी प्रेमिका को यह बता दें कि आपने विवाह तक लैंगिक पवित्र रहने की शपथ ली है। जब आप दोनो एक साथ होंगे तब यह आपकी हर एक क्रियाओं को निर्देशित करने में सहायता करेगा। वह भी आपकी सहायता करेगी कि आप अपने वचन में सच्चे बने रहें।

विवाह तक लैंगिक पवित्र रहने की अपनी शपथ और वचनबद्धता के बारे में उसके पिता को भी बता दें। उसके पिता इस बात का बहुत सम्मान करेंगे और जब उनकी बेटी आपके साथ होगी तब वह आप पर भरोसा करेंगे । यह उनके लिए भी एक चुनौती होगी कि वह अपनी पत्नी के प्रति विश्वासयोग्य रहें।

जवान स्त्रीयों को बाइबल यह कहती है

वैसे ही स्त्रियां भी संकोच और संयम के साथ सुहावने वस्त्रों से अपने आप को संवारे; न कि बाल गूंथने, और सोने, और मोतियों, और बहुमोल कपड़ों से, पर भले कामों से।(10) क्योंकि परमेश्वर की भक्ति ग्रहण करनेवाली स्त्रियों को यही उचित भी है। 1 तीमुथियुस 2:9–10

और तुम्हारा सिंगार, दिखावटी न हो, अर्थात् बाल गूंथने, और सोने के गहने, या भांति भांति के कपड़े पहिनना।(4) वरन तुम्हारा छिपा हुआ और गुप्त मनुष्यत्व, नम्रता और मन की दीनता की अविनाशी सजावट से सुसज्जित रहे, क्योंकि परमेश्वर की दृष्टि में इसका मूल्य बड़ा है।(5) और पूर्वकाल में पवित्र स्त्रियां भी, जो परमेश्वर पर आशा रखती थीं, अपने आप को इसी रीति से संवारती और अपने अपने पति के आधीन रहती थीं। 1 पतरस 3:3–5

अपनी प्रेमिका को विवाह तक पवित्र रहने की अपनी वचनबद्धता के बारे में बता दें। यदि वह ऐसे वस्त्र पहिने जो शालीन नहीं हैं तो आप उसे शालीन वस्त्र पहिनने के लिए कहें ताकि आप में कामुकता की इच्छा जागृत न हो। चाहे जो भी हो परन्तु वह आपकी बहुत इज़्जत करेगी।

XIX. आप परमेश्वर की सेना में योद्धा के रुप में बुलाए गए हैं

जिस प्रकार दाऊद गोलियत से लड़ा, वैसे ही आप को लालसाओं के अजगर से लड़ना है।

हर एक अच्छा योद्धा अपने सेनापति की आज्ञा का पालन करता है और उसका अनुसरण करता है।

उसने आपको अपना योद्धा होने के लिए बुलाया है।

और तुम इसी के लिये बुलाए भी गए हो क्योंकि मसीह भी तुम्हारे लिये दुख उठाकर, तुम्हें एक आदर्श दे गया है, कि तुम भी उसके चिन्ह पर चलो। न तो उस ने पाप किया, और न उसके मुंह से छल की कोई बात निकली ... पर अपने आप को सच्चे न्यायी के हाथ में सौंपता था। 1 पतरस 2:21–24

वह आपको पवित्र रहने की आज्ञा देता है

पर जैसा तुम्हारा बुलानेवाला पवित्र है, वैसे ही तुम भी अपने सारे चाल चलन में पवित्र बनो।(16) क्योंकि लिखा है, कि पवित्र बनो, क्योंकि मैं पवित्र हूं। 1 पतरस 1:15–16

वह आपको नया इंसान बनने की आज्ञा देता है

वरन तुम ने सचमुच उसी की सुनी, और जैसा यीशु मे सत्य है, उसी में सिखाए भी गए।(22) कि तुम अगले चालचलन के पुराने मनुष्यत्व को जो भरमानेवाली अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होता जाता है, उतार डालो। (23) और अपने मन के आत्मिक स्वभाव में नये बनते जाओ।(24) और नये मनुष्यत्व को पहिन लो, जो परमेश्वर के अनुसार सत्य की धार्मिकता, और पवित्रता में सृजा गया है।। इफिसियों 4:21–24

वह आपको उसकी तरह सोचने की आज्ञा देता है

शरीर पर मन लगाना तो मृत्यु है, परन्तु आत्मा पर मन लगाना जीवन और शान्ति है। रोमियों 8:6

इस कारण अपनी अपनी बुद्धि की कमर बान्धकर, और सचेत रहकर उस अनुग्रह की पूरी आशा रखो। 1 पतरस 1:13

वह आपको पुरुषार्थी होने की आज्ञा देता है

जागते रहो, विश्वास में स्थिर रहो, पुरूषार्थ करो, बलवन्त होओ। जो कुछ करते हो प्रेम से करो।। 1 कुरिन्थियों 16:13–14

वह आप को बचे रहने की आज्ञा देता है

सब प्रकार की बुराई से बचे रहो।। 1 थिस्सलुनीकियों 5:22

हे प्रियों मैं तुम से विनती करता हूं, कि तुम अपने आप को परदेशी और यात्री जानकर उस सांसारिक अभिलाषाओं से जो आत्मा से युद्ध करती हैं, बचे रहो। 1 पतरस 2:11–12

वह पवित्र रहने की आज्ञा देता है

हम अपने आप को शरीर और आत्मा की सब मलिनता से शुद्ध करें, और परमेश्वर का भय रखते हुए पवित्रता को सिद्ध करें।। 2 कुरिन्थियों 7:1

वह आपको आर्दश बनने की आज्ञा देता है

क्योंकि मैं ने तुम्हें नमूना दिखा दिया है, कि जैसा मैं ने तुम्हारे साथ किया है, तुम भी वैसा ही किया करो। यूहन्ना 13:15

कोई तेरी जवानी को तुच्छ न समझने पाए; पर वचन, और चाल चलन, और प्रेम, और विश्वास, और पवित्रता में विश्वासियों के लिये आदर्श बन जा। 1 तीमुथियुस 4:12

हर एक कमांडर अपने सिपाहियों से आत्म-संयम की मांग रखता है

सचेत हो, और जागते रहो, क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह की नाई इस खोज में रहता है, कि किस को फाड़ खाए। विश्वास में दृढ़ होकर, उसका साम्हना करो। 1 पतरस 5:8–9

जब तुम मेरा कहना नहीं मानते, तो क्यों मुझे हे प्रभु, हे प्रभु, कहते हो ? लूका 6:46

जिस मनुष्य की आत्मा उसके वश में नहीं, वह उस ध्वस्त नगर के समान है जिसकी दीवारें ढह गई। नीतिवचन 25:28

XX. आप यह युद्ध अकेले नहीं लड़ सकते

आपको परमेश्वर की सहायता चाहिए

- इस कारण आपको हर समय आत्मा में प्रार्थना करने की आवश्यकता है। इफिसियों 6:18
- परमेश्वर के निकट आओ, तो वह भी तुम्हारे निकट आएगाः हे पापियों, अपने हाथ शुद्ध करो; और हे दुचित्ते लोगों अपने हृदय को पवित्र करो। याकूब 4:8

हम परमेश्वर के प्रति उत्तरदायी हैं

- सो हम में से हर एक परमेश्वर को अपना अपना लेखा देगा।। रोमियों 14:12

हम एक दूसरे के प्रति उत्तरदायी हैं

- अपने आप को दूसरे लोगों के प्रति उत्तरदायी बनाएं।

अपनी जीत और हार को बांटें, सहायता मांगें, सुझाव लें , प्रार्थना के लिए कहें। निरन्तर रीति एक दूसरे के साथ मिलते रहें।

अपनी आंखो के साथ आप स्वयं की वाचा बांधें कि आप कोई भी ऐसी फिल्म, टी.वी. प्रोग्राम, या पुस्तक नहीं देखेंगे जिसमें थोड़ी सी भी कामुक चित्र या भाषा है। आपने अपने मन की चौकसी करनी है। यदि आपने ज़रा सा भी द्वार खुला छोड़ दिया तो आग उगलने वाला अजगर अन्दर घुस आएगा और धीरे–धीरे अपने क्षेत्र को बढ़ा लेगा जब तक कि वह पूरे पर नियन्त्रण न पा ले। अपने उत्तरदायी समूह में औरों से भी यही वाचा बनाने के लिए कहें।

तुम में से पांच मनुष्य सौ को और सौ मनुष्य दस हजार को खदेड़ेंगे; और तुम्हारे शत्रु तलवार से तुम्हारे आगे आगे मारे जाएंगे। लैव्यव्यवस्था 26:8

हर दिन एक दूसरे को समझाते रहो, ऐसा न हो, कि तुम में से कोई जन पाप के छल में आकर कठोर हो जाए। इब्रानियों 3:13

और प्रेम, और भले कामों में उकसाने के लिये एक दूसरे की चिन्ता किया करें। इब्रानियों 10:24

मसीह के वचन को अपने हृदय में अधिकाई से बसने दो; और सिद्ध ज्ञान सहित एक दूसरे को सिखाओ, और चिताओ। कुलुस्सियों 3:16

और मसीह के भय से एक दूसरे के आधीन रहो।। इफिसियों 5:21

देह में फूट न पड़े, परन्तु अंग एक दूसरे की बराबर चिन्ता करें। 1 कुरिन्थियों 12:25

XXI. अन्तिम शब्द :

मसीह ने स्वतंत्रता के लिये हमें स्वतंत्र किया है; सो इसी में स्थिर रहो, और दासत्व के जूए में फिर से न जुतो।।(16) पर मैं कहता हूं, आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे।(17) क्योंकि शरीर आत्मा के विरोध में लालसा करती है, और ये एक दूसरे के विरोधी हैं; इसलिये कि जो तुम करना चाहते हो वह न करने पाओ। गलातियों 5:1, 16–17

- जिस किसी का भी आप पोषण करेंगे वही बलवन्त होगा और आपके जीवन पर नियन्त्रण लेगा।

और यदि तुम आत्मा के चलाए चलते हो ...(22) पर हमारे जीवन में आत्मा इस प्रकार का फल उत्पन्न करता है प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता, और संयम

जागते रहो, विश्वास में स्थिर रहो, पुरूषार्थ करो(पुरुष यीशु मसीह के समान), बलवन्त होओ। जो कुछ करते हो प्रेम से करो।। 1 कुरिन्थियों 16:13–14

अग्नि श्वासक अजगर को पराजित करने के लिए – यह हमारा युद्ध है

अन्तिम विजय प्रभु यीशु के द्वारा निकट भविष्य में पूरी की जाएगी। और उस ने उस अजगर, अर्थात् पुराने सांप को, जो इब्लीस और शैतान है; पकड़ के हजार वर्ष के लिये बान्ध दिया।(3) और उसे अथाह कुंड में डालकर बन्द कर दिया और उस पर मुहर कर दी, कि वह हजार वर्ष के पूरे होने तक जाति जाति के लोगों को फिर न भरमाए; इस के बाद अवश्य है, कि थोड़ी देर के लिये फिर खोला जाए।। प्रकाशितवाक्य 20:2–3

परन्तु जब तक वह दिन न आए: हमें लालसाओं के अजगर से लड़ना है जो हमारी देह की मानव रुपी खोह में रहता है और उस पर नियन्त्रण पाना है।

परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है। सो हे मेरे प्रिय भाइयो, दृढ़ और अटल रहो, और प्रभु के काम में सर्वदा बढ़ते जाओ, क्योंकि यह जानते हो, कि तुम्हारा परिश्रम प्रभु में व्यर्थ नहीं है।।1 कुरिन्थियों 15:57–58

विजय आपकी है यदि आप इसके लिए लड़ें और उसे प्राप्त करें।